सीआरपीएफ समाचार

जुलाई–अगस्त 2024

राजभाषा विशेषांक





मुख्य संरक्षक:
श्री अनीश दयाल सिंह
भा.पु.से. महानिदेशक

संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्ष:
श्री अमितेन्द्र नाथ सिन्हा, भा.पु.से.
महानिरीक्षक (आसूचना)

सदस्य:
श्री विकास कठेरिया, भा.पु.से.
पुलिस उप महानिरीक्षक (आसूचना)
श्री डी.टी. बनर्जी, उप महानिरीक्षक (परिचालन)
श्री हर्षवर्धन, कमाण्डेंट (आसूचना)
डॉ निशीत कुमार, कमांडेंट (कल्याण)
श्री हरज्ञान सिंह गुर्जर, कमांडेंट (परिचालन)

मुख्य संपादक :
श्री प्रवीण त्रिपाठी, द्वि. क. अधिकारी
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादक :
श्री कृष्णवीर, सहा. कमा.
श्री कृष्ण कुमार, सहा. कमा. (रा.भा.)

संपादकीय सहायता :
उ.नि./आशुलिपिक प्रशांत कुमार
सउनि/मंत्रा सत्य पाल

डिजाईनिंग एवं चित्र:
निरी/जीडी रवि रंजन कुमार
हव/जीडी मनोज मिश्रा
हव/जीडी राजेश शर्मा
हव/जीडी विनू विल्सन
हव/जीडी जितिन राज वी.
सि/जीडी बाबू एस0
सि/जीडी शिव बहादुर

जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सी.आर.पी.एफ. बटालियनें

संपादकीय कार्यालय:
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
दूरभाष: 24360649

इस अंक में

रिपोर्टस

3 महानिदेशक का राजभाषा संदेश

4 78वें स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ को 5 शौर्य चक्र और 52 वीरता पदक प्रदान किए गए

6 सीआरपीएफ का 86वां स्थापना दिवस वीरता और गौरव की 85 वर्ष की यात्रा का जश्न

आर्टिकल

8 कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप

11 कार्यालय में हिंदी भाषा में होने वाली स्वाभाविक त्रुटिया

14 विश्व पटल पर हिंदी

18 रिश्ते की अहमियत

21 सरकारी कामकाज में राजभाषा का आधुनिकीकरण

23 किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त हैं

26 मेरा गाँव अब उदास रहता है

28 बेटी

29 वीर वधु

30 हम हैं सीआरपीएफ के जवान

31 राजभाषा कार्यान्वयन में अर्जित पुरस्कार/प्रशंसा

32 हिंदी अंग्रेज़ी के मानक शब्द

झलकियाँ

36 सिविक एक्शन

39 कल्याण शाखा

41 भर्ती शाखा

मेडल एवं उपलब्धियाँ

42 महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र

50 उपलब्धियाँ

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किए जाने वाले विचार लेखकों के अपने व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। — *मुख्य संपादक*

महानिदेशक सी.आर.पी.एफ. की ओर से प्रकाशित:

महानिदेशक का राजभाषा संदेश



'हिंदी दिवस' के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आप सभी जानते हैं कि भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 के दिन हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। इसी कारण राजभाषा के प्रति जागरूकता और इसकी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर का दिन 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हिंदी एक सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है। इसकी लिपि वैज्ञानिक है तथा यह जिस प्रकार लिखी जाती है, उसी प्रकार बोली भी जाती है। प्रशासनिक कार्यों में भी हिंदी को सहजता और सरलता से प्रयोग में लाया जा रहा है।

यह हर्ष की बात है कि विगत वर्षों में हिंदी ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रेरणा, प्रोत्साहन और पुरस्कार की नीति के आधार पर हम बल में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु उपयुक्त वातावरण बनाने में सफल रहे हैं। संसदीय राजभाषा समिति एवं गृह मंत्रालय द्वारा भी समय–समय पर बल के हिंदी पत्राचार की स्थिति तथा राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन की प्रशंसा की जाती रही है।

वैश्वीकरण के इस दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हम भरसक प्रयास कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, वर्तमान में महानिदेशालय में अधिकांश प्रशासनिक कार्य ई–ऑफिस के माध्यम से हिंदी में ही किए जा रहे हैं तथा पी.पी.टी. इत्यादि भी हिंदी में तैयार की जा रही हैं। मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिंदी के प्रचार–प्रसार में वृद्धि करके, उसे वैश्विक भाषा का गौरव प्रदान करवाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

महानिदेशालय सहित बल में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है । चूंकि हिंदी में सरकारी कामकाज करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है, अतः मैं, बल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे स्वेच्छा एवं समर्पित भाव से राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए शत–प्रतिशत प्रशासनिक कार्य हिंदी में करके हिंदी का गौरव बढ़ाएं।

आप सभी को पुनः "हिंदी दिवस" की हार्दिक शुभकामनाएं।

अनीश. द. सिंह

(अनीश दयाल सिंह)
महानिदेशक

78वें स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ को 5 शौर्य चक्र और 52 वीरता पदक प्रदान किए गए



78वें स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ को 5 शौर्य चक्र और 52 वीरता पदक प्रदान किए गए जो सभी सीएपीएफ और राज्य पुलिस बलों में सबसे अधिक है। इन प्रतिष्ठित सम्मानों को मिलाकर सीआरपीएफ के कुल पदकों की संख्या 2,677 हो गई है।

इनमें से जम्मू और कश्मीर में अभियानों के लिए 25 पदक और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में माओवाद विरोधी अभियानों में बहादुरी के कार्यों को मान्यता देते हुए 32 पदक प्रदान किए गए हैं। शौर्य चक्र प्राप्तकर्ताओं में से 2 को उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया गया। इसके अलावा वीरता पदक पाने वालों की सूची में सब–इंस्पेक्टर रौशन कुमार शामिल हैं, जिन्हें बिहार में माओवादियों के खिलाफ उनके वीरतापूर्ण प्रयासों के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया गया था, और सहायक कमांडेंट तेजा राम चौधरी, जिन्हें जम्मू और कश्मीर के अलग–अलग

अभियानों में उनकी बहादुरी के लिए दो पदक मिले थे।

इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण सीआरपीएफ की 201 कोबरा यूनिट के पांच कर्मियों को 30 जनवरी, 2024 को छत्तीसगढ़ में एक नया फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित करने के दौरान हुई एक मुठभेड़ में उनके असाधारण साहस, वीरता एवं दृढ़ता के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाना है।

डिप्टी कमांडेंट लखवीर, सहायक कमांडेंट राजेश पंचाल और कांस्टेबल मलकीत सिंह, पवन कुमार और देवन सी ने भीषण नक्सली हमले का सामना करते हुए बेजोड़ बहादुरी का परिचय दिया। माओवादियों के भारी हथियारों से लैस होने और स्वयं घायल होने के बावजूद, उन्होंने असाधारण वीरता के साथ विद्रोहियों को भारी नुकसान पहुंचाया और क्षेत्र को सुरक्षित किया।

कांस्टेबल पवन कुमार और कांस्टेबल देवन सी को उनके बलिदान के लिए मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। डिप्टी कमांडेंट लखवीर, असिस्टेंट कमांडेंट राजेश पंचाल और कांस्टेबल मलकीत सिंह को भी उनकी असाधारण वीरता के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

जम्मू और कश्मीर में अभियानों के लिए 25 पदक प्रदान किए गए

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में माओवाद विरोधी अभियानों में बहादुरी के कार्यों को मान्यता देते हुए 32 पदक प्रदान किए गए

'सीआरपीएफ का 86वां स्थापना दिवस: 'वीरता और गौरव की 85 वर्ष की यात्रा का जश्न'

सीआरपीएफ ने अपना 86वां स्थापना दिवस देश भर के सभी सीआरपीएफ प्रतिष्ठानों में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय कुमार भल्ला, केरिपुबल के शौर्य ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करने की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, श्री भल्ला ने केरिपुबल के बहादुर जवानों और शहीदों के परिवारों को वीरता पदक प्रदान किए, जिनमें 03 वीर नारियां भी शामिल थीं। 27 वीरता पदक पुरस्कार विजेताओं में छत्तीसगढ़ में बहादुरी के लिए दस, झारखंड में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए छह एवं जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ वीरतापूर्ण कार्यों के लिए ग्यारह पुरस्कार दिए गए।



इससे पूर्व, श्री अनीश दयाल सिंह, महानिदेशक सीआरपीएफ ने सीआरपीएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सीआरपीएफ के 2266 बहादुरों को श्रद्धांजलि दी।

अपने संबोधन में, केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय कुमार भल्ला ने सीआरपीएफ की बहुमुखी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में बताते हुए, बलिदान और समर्पण के गौरवशाली इतिहास के लिए बल की सराहना की। उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से घाटी में शांति बनाए रखने में सीआरपीएफ की भूमिका और 2024 के आम चुनावों के शांतिपूर्ण संचालन में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर, केंद्रीय गृह सचिव श्री भल्ला ने केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, सीआरपीएफ,



नीमच में एक अत्याधुनिक वाहन रिपेयर प्रयोगशाला का ई–उद्घाटन किया। यह अनूठी प्रयोगशाला सीआरपीएफ के मोटर मैकेनिक स्टाफ को आधुनिक वाहनों (बीएस–6) की मरम्मत के लिए प्रशिक्षित करेगी, जिससे सीआरपीएफ ऐसी सुविधा स्थापित करने वाला सीएपीएफ में पहला बल बन जाएगा।

केंद्रीय गृह सचिव का स्वागत करते हुए महानिदेशक सीआरपीएफ श्री अनीश दयाल सिंह ने बल के समृद्ध इतिहास और वीरता को याद किया, उन्होंने 1959 में चीनी सैनिकों के खिलाफ हॉट स्प्रिंग्स की लड़ाई और 1965 में सरदार पोस्ट की लड़ाई का जिक्र किया, जहां सीआरपीएफ की दो कंपनियों ने पाकिस्तानी सेना की एक पूरी ब्रिगेड को खदेड़ दिया था।

उन्होंने शहीदों के परिवारों से संबंधित मुद्दों को हल करने और अनुकंपा नियुक्ति श्रेणी के तहत उनके परिजनों के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेज़ी लाने की पहल पर भी चर्चा की। उन्होंने सीआरपीएफ कर्मियों के बच्चों को मुफ्त सीटें उपलब्ध कराने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का उल्लेख किया।

1939 में केवल एक बटालियन के साथ नीमच में गठित, सीआरपीएफ देश भर में तैनात 248 बटालियनों के साथ एक विशाल बल बन गया है। बल ने उभरती आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया है। समस्त सीएपीएफ में सबसे अधिक वीरता पदकों के साथ, सीआरपीएफ क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस से लेकर देश की आंतरिक सुरक्षा के संरक्षक बनने तक की अपनी असाधारण यात्रा का प्रमाण है। बल 'सेवा और निष्ठा' के अपने वाक्य के प्रति प्रतिबद्ध है और सभी के विश्वास एवं समर्थन के लिए राष्ट्र के प्रति आभार व्यक्त करता है।

कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप



कृष्ण कुमार
सहायक कमांडेंट (राजभाषा)

विदित है कि प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र की अपनी राजभाषा अधिकृत होती है। राजभाषा से अभिप्राय उस भाषा विशेष से है जो कि सभी राजकीय प्रयोजन अर्थात सरकारी काम–काज में प्रयोग होती है।

15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् राष्ट्र के सामने यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ कि राष्ट्र की राजभाषा कौन सी हो। संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर 1949 को संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अंतर्गत देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया और उसके अनुपालन के लिए संविधान में कई व्यवस्थाएँ की गईं। इसी व्यवस्था के अंतर्गत अनुच्छेद 351 के अनुसार संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी मौलिकता में हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रुप, शैली और अभिव्यक्तियों को आत्मसात करके तथा जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो, उसके शब्द भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत और गौणतः अन्य भाषाओं का उपयोग करके उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।

सामान्यतः सरकारी पत्र व्यवहार और टिप्पण–लेखन की भाषा आम बोलचाल की भाषा से थोड़ी भिन्न होती है, फिर भी इस भाषा को यथावत् जनसामान्य की भाषा के समीप ही रखा गया है। वस्तुतः कार्यालयीन हिंदी का संपूर्ण स्वरुप सरकारी कामकाज की कार्य प्रणाली और उसके पीछे निहित सिद्धांतों द्वारा निर्धारित होता है।

इस लेख में कार्यालयीन भाषा के महत्वपूर्ण सिद्धांतों, घटकों एवं प्रमुख विशेषताओं पर निम्नानुसार प्रकाश डाला जा रहा है:–

सरल सहज एवं सुस्पष्ट भाषा शैली का प्रयोग :– आमतौर पर सामान्य जन मानस की यह धारणा बनी हुई है कि हिंदी भाषा में टिप्पणी एवं प्रारुप लिखना कठिन है, लेकिन कोई भी भाषा सरल या कठिन नहीं होती। भाषा की जानकारी न होना ही भाषा को कठिन बनाता है क्योंकि भाषा एक नदी की भाँति चलायमान होती है और उसके संपर्क में जो भी आता है वह उसी का हो जाता है। अतः दैनिक कार्यों के माध्यम से जितनी अधिक हिंदी भाषा और उसके शब्दों से परिचय होगा वह उतनी ही सहज व सरल लगने लगेगी। कार्यालय में प्रयुक्त होने वाली हिंदी इतनी सरल और सहज होनी चाहिए कि दूसरे अधिकारी व कर्मचारी इसे आसानी से समझ सके। कभी–कभी प्रबुद्ध लोग जब फाइल पर अपने पांडित्य का प्रदर्शन करने लगते हैं तो भाषा विस्तार के साथ–साथ मामले की तह तक पहुँचने में और मामले पर शीघ्र कार्रवाई करने में काफी विलंब तो होता ही है साथ ही अन्य कार्मिकों पर इसका विपरीत असर पड़ता है और वे हिंदी लिखने में हिचकने लगते हैं। अतः कार्यालयीन हिंदी में दोहरे अर्थ देने वाले और अटपटे एवं जटिल शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए।

अर्थ की स्पष्टता एवं संक्षिप्तता :– कार्यालयीन भाषा का मुख्य कार्य विचारों को बिना लाग–लपेट के संबंधित व्यक्ति तक पहुँचाना होता है। इस रुप में अच्छी भाषा उसी को माना जाएगा जिसका केवल वही अर्थ निकले जो लिखने वाला संप्रेषित करना चाहता है। हालाँकि द्वि–अर्थी या अनेकार्थी होना साहित्यिक भाषा का गुण माना जाता है परंतु कामकाजी हिंदी में वह एक अवगुण होता है। कार्यालयी कामकाज की भाषा में संक्षिप्तता के साथ ही इस बात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि टिप्पणी व प्रारुप से वे तथ्य छूट न जाएँ जिनका उल्लेख करना आवश्यक है। विचार स्पष्ट करने के लिए विस्तार अधिक हो सकता है परंतु अनावश्यक विस्तार नहीं होना चाहिए अर्थात भाषा निश्चित, सुस्पष्ट एवं संक्षिप्त होनी चाहिए।

अन्य भाषाओं के प्रचलित शब्दों का प्रयोग एवं वाक्य विन्यास :– प्रत्येक जीवंत भाषा में यह क्षमता होती है कि वह दूसरी भाषा के शब्दों को अपने में समाहित करते हुए अपनी समृद्धि करे और इसी के अनुरुप अरबी–फारसी तथा अंग्रेजी भाषा के हजारों शब्द हिंदी भाषा में समाहित हो गए हैं। भारत सरकार की नीति के अनुरूप हिंदी लिखने में अंग्रेजी के शब्दों के प्रयोग में किसी भी प्रकार की हिचक

नहीं होनी चाहिए। अपितु कामकाजी हिंदी में आवश्यकतानुसार दूसरी भाषाओं के शब्दों को अपनाया जा सकता है लेकिन पद रचना तथा वाक्य रचना हिंदी की प्रकृति के अनुकूल ही होनी चाहिए। यद्दपि किसी भी जीवंत भाषा पर दूसरी भाषाओं का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है किंतु यह प्रभाव उस भाषा के मूल स्वरुप को विकृत न करे यह ध्यान में रखना आवश्यक है। इस दृष्टि से बैंक शब्द का बहुवचन बैंकों होना चाहिए न कि अंग्रेजी के बहुवचन रुप बैंक्स को ही यथावत् लिखा जाए। हमें अंग्रेजी में सोचकर या लिखकर उसका अनुवाद करने की अपेक्षा मूल लेखन ही हिंदी में करना चाहिए तभी भाषा की स्वाभाविकता बनी रह सकेगी।

शब्दों की मितव्ययिता एवं एकरूपता :– अपना कार्यालयी कामकाज यथाशीघ्र निपटाकर कार्यालयीन प्रक्रिया को गति प्रदान करने में शब्दों की मितव्ययिता एवं एकरूपता आवश्यक है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि कम से कम शब्दों में अपनी बात कही जाए। इसी प्रकार पत्राचार में भी आवश्यकता से अधिक शब्दों का प्रयोग न केवल श्रम को बल्कि भाषिक सौंदर्य को नष्ट भी करता है साथ ही अर्थ का अनर्थ होने की संभावनाएँ भी बढ़ती है। भाषा की एकरुपता देश को एक सूत्र में बाँधने का भी कार्य करती है। अतः कार्यालय में सरकार द्वारा अनुमोदित हिंदी शब्दावली का ही प्रयोग करना चाहिए। कार्यालयीन भाषा सुसंस्कृत, सभ्य एवं शिष्ट होनी चाहिए। हर भाषा की अपनी शैली, अभिव्यक्ति की पद्धति अलग–अलग होती है। अतः अनुवाद की अपेक्षा चिंतन कार्य करने वाली भाषा का प्रयोग किया जाए ताकि भाषा में स्वाभाविकता बनी रहे। कार्यालय में व्यक्ति की अपेक्षा पदनाम प्रमुख होता है। अतः यहाँ अधिकारी की ओर से सभी कार्य आदेश, अनुमोदन, सहमति, स्वीकृति व अनुदेश के आधार पर किए जाते हैं। इसलिए इसमें आदेशात्मक सुझावात्मक कथनात्मक वाक्यों का प्रयोग किया जाता है। अर्थात आदेशात्मक वाक्य– जिनमें कर्ता वाक्य रचना में निहित होता है जैसे चर्चा के अनुसार मसौदा पुनः प्रस्तुत करें। इसी प्रकार कर्म प्रधान आदेशात्मक वाक्य जैसे चर्चा के अनुसार मसौदा पुनः प्रस्तुत किया जाए। ऐसे वाक्य जिनमें कर्ता का लोप रहता है जैसे सूचित किया जाता है कि। इस प्रकार कुछेक उदारण देकर स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है कि कार्यालयीन हिंदी की वाक्य सरंचना सामान्य हिंदी वाक्य संरचना के अंदर रहकर भी चयन के सिद्धांत पर आधारित है जो उसकी प्रकृति के अनुसार स्वाभाविक ही है।

कार्यालय में हिंदी भाषा में होने वाली स्वाभाविक गुटियाँ



अनिल कुमार द्विवेदी
सहायक कमांडेंट (राजभाषा)

किसी भी भाषा में यदि अशुद्धि हो तो पढ़ने–लिखने का आनंद कम हो जाता है। भाषा की शुद्धता बनाए रखने से भाषा परिमार्जित होती है। विश्व स्तर पर हिंदी अपनी श्रेष्ठता साबित कर पाए, इसके लिए भाषा की शुद्धता आवश्यक है। देवनागरी लिपि संसार की अन्य लिपियों से अधिक वैज्ञानिक लिपि मानी गई है, क्योंकि इसमें सभी ध्वनियों को व्यक्त करने की क्षमता तो है ही, साथ ही एक ध्वनि को व्यक्त करने के लिए एक ही लिपि चिन्ह है, फिर भी, लोग प्रायः वर्तनी संबंधी अशुद्धियां कर देते हैं।

कार्यालय में प्रायः यह देखने को मिलता है कि हिंदी में नोटशीट एवं पत्र आदि का मसौदा आदि तैयार करते समय लेखन में कुछ स्वाभाविक सी गलतियाँ की जाती हैं जो बहुत सामान्य गलतियाँ होती हैं और इस प्रकार की गलतियों का निदान आसानी से किया जा सकता है। हिंदी भाषा लेखन शैली में कुछ सामान्य त्रुटियाँ जो देखने को मिलती हैं, वे निम्नवत हैं:

''न'' के स्थान पर 'ना' अक्षर का प्रयोग करना, जैसे कि – यह कहना गलत ''ना'' होगा कि कार्यालय में पत्रिका का प्रकाशन, कार्मिकों को अपने कौशल को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। सही अक्षर है – ''न''।

'न' अपने आप में पूर्ण अर्थ प्रदान करता है और नकारात्मकता को व्यक्त करता है। जैसे– मुझसे यह अन्याय ''न'' सहा जाएगा। इसमें यदि ''ना'' का प्रयोग किया जाएगा तो गलत होगा।

ना एक प्रकार का निपात है, जिसे किसी बात पर विशेष बल देने के लिए प्रयोग किया जाता है। जैसे– (1) जाओ 'ना' , नहीं तो देर हो जाएगी। (2) खाना खाइए

'ना' नहीं तो ठंडा हो जाएगा।

छोटी 'कि' के स्थान पर बड़ी 'की' का प्रयोग करना। छोटी 'कि' का प्रयोग दो वाक्यों या वाक्यांशों को मिलाने के लिए किया जाता है। उदाहरण के रूप में देखें ''मैंने सुरेंद्र को कह दिया है 'कि' ड्यूटी पर समय से हाजिर हो जाओ'' । इसमें मैंने सुरेंद्र को कह दिया है – एक वाक्यांश और ड्यूटी पर समय से हाजिर हो जाओ – दूसरा वाक्यांश। इन दोनों वाक्यांशों को मिलाने का काम 'कि' ने किया है। इसके अलावा 'कि' का प्रयोग 'अथवा' और 'या' के स्थान पर भी किया जाता है। उदाहरण के लिए– तुम ठंडी पसंद करते हो 'कि' गर्मी, ''तुम अभी खाना खाओगे 'कि' बाद में''। एक पहचान और है– छोटी 'कि' का प्रयोग अधिकतर क्रिया के बाद किया जाता है।

बड़ी 'की' के स्थान पर छोटी 'कि' का प्रयोग करना। बड़ी 'की' का प्रयोग तब किया जाता है जब संज्ञा या सर्वनाम का किसी से संबंध बताना होता है। उदाहरण के रूप में देखें ''मोहन 'की' किताब'', ''एडम शाखा 'की' डाक'', ''सिपाही/जीडी 'की' तैनाती'', ''धान 'की' खेती'' इत्यादि। इसके अलावा 'की' के बाद प्रायः स्त्रीवाचक शब्द आता है। यह भी एक पहचान है।

'क्योंकि' को 'क्यूँकि' लिखना। जैसे मुझे शाम को टहलना पसंद है क्यूँकि उस समय शरीर में एक अद्भुत ताजगी का संचार होता है। सही शब्द है – ''क्योंकि''।

'पर'' को 'पे' लिखना। जैसे– ''ट्रेन प्लेटफार्म 'पे' आ गई थी''। सही शब्द है ''पर''।

''ष'' व ''श'' में भ्रम होना। ''विषय'' को ''विशय'' लिखना आदि।

अंग्रेजी के फुलस्टॉप (.) का प्रयोग करना, या स्पेस के चिन्ह का प्रयोग करना। हिंदी के वाक्य को पूर्णविराम (।) से पूर्ण करना उचित है।

बिन्दु के प्रयोग में गलतियाँ करना। यह एकवचन और बहुवचन में अंतर को खत्म कर देता है। जैसे– मैं को 'मै' लिखना, ''हैं'' को ''है'' लिखना, ''हूं'' को ''हू'' लिखना ''उन्होंने'' को ''उन्होने'' लिखना आदि।

'उ' व 'ऊ' की मात्राओं के प्रयोग में भ्रम होना। जैसे "हूं" को "हुं" लिखना, 'स्कूल' को 'स्कुल" लिखना, "प्रभु " को "प्रभू" लिखना आदि।

' 'इ' व 'ई' की मात्राओं में भ्रम होना। जैसे– क्षेत्रीय को क्षेत्रिय लिखना, "दवाइयॉं " को "दवाईयॉं " लिखना आदि।

' 'ए' के स्थान पर 'ये' का प्रयोग करना । जैसे– आए, गए , खाए, पिए के स्थान पर आये, गये, खाये, पिये आदि। इसमें स्वर मूलक "ए" का ही प्रयोग करना उचित है।

' छोटा "रु" के स्थान पर बड़ा "रू" का प्रयोग करना। उदाहरण के तौर पर "रुकना" को "रूकना" लिखना ।

श, ष और स की अशुद्धियां श. ष और स भिन्न–भिन्न अक्षर हैं। इन तीनों की उच्चारण प्रक्रिया भी अलग–अलग है। इनके उच्चारण में निम्नांकित बातों की सावधानी रखी जानी चाहिए–

ष केवल संस्कृतनिष्ठ शब्दों में आता है। जैसे संतोष, भाषा, पीयूष, पुरुष, शुश्रूषा आदि।

"श" के बारे में – यदि तत्सम शब्दों में 'श हो, तो उसके तद्भव रूप में 'स' होता है। जैसे शूली–सूली, शाक–साग आदि।

हिंदी एक अत्यंत सरल भाषा है, किंतु कोई भी भाषा सीखने से ही आती है। यह बात मन से निकाल देनी चाहिए कि हिंदी सीखने की आवश्यकता नहीं है। दोषमुक्त और अच्छी हिंदी लिखने–बोलने के लिए यह आवश्यक है कि हम शब्दों और वाक्यों का शुद्ध प्रयोग करना सीखें।

हमारे देश में हिंदी एक सेतु का कार्य करती है जो विभिन्न भाषा–भाषी लोगों को जोड़ती है। कार्यालय के कामकाज में हिंदी भाषा के प्रयोग को और अधिक सुधारने एवं दस्तावेजों को त्रुटियों से बचाने के लिए हिंदी शब्दकोष का प्रयोग कर सकते हैं। हिंदी हमारी राजभाषा है तथा इसे इसके शुद्ध रूप में ही प्रयोग में लाना उचित है। भ्रम और अज्ञान के कारण भाषा में अनेकों अशुद्धियां होती हैं। कभी–कभी एक छोटी सी लकीर अथवा बिंदु, अर्थ का अनर्थ कर देता है। जैसे (1) रोको, मत जाने दो। (2) रोको मत, जाने दो। इसमें पहले वाक्य में रोकने के लिए संकेत है और दूसरे वाक्य में न रोकने का संकेत है। इसकी स्पष्टता अल्प विराम (,) के उचित प्रयोग से महसूस की जा सकती है। हिंदी के प्रयोग में प्रत्येक व्यक्ति को बोलते या लिखते समय प्रत्येक वर्ण या अक्षर की ध्वनि अथवा शब्द ध्वनि पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

विश्व पटल पर हिंदी



रमेश कुमार पाण्डेय,
निरी0 हिंदी अनुवादक

वस्तुतः किसी भी देश की भाषा उसके संप्रेषण का माध्यम व संपर्क का साधन होने के साथ–साथ उस देश के संस्कार के संरक्षण, संवर्धन व संवहन का संसाधन होती है। राष्ट्रभाषा समाज को स्वदेशी भाव–बोध से समन्वित कराते हुए वैश्विक धरातल पर राष्ट्रीय स्वाभिमान की विशिष्ट पहचान दिलाने का पुख्ता इंतजाम कराती है और संपर्क भाषा देश–काल–पात्र के बीच सेतु का निर्माण करती है तो वहीं राजभाषा शासन–प्रशासन में जनता जनार्दन की पहुंच का प्रावधान कराती है। किसी भी देश की भाषा से वहाँ के समाज, राज्य एवं देश की संस्कृति एवं सभ्यता झलकती है तथा जिन राष्ट्रों की भाषा समृद्ध एवं शक्तिशाली होती है, वहाँ सदैव एकता एवं अखण्डता कायम रहती है। यही कारण है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने आज़ादी से पूर्व राष्ट्रभाषा की चर्चा करते हुए हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिलाने का अपना दृढ़ निश्चय प्रकट किया था। परिणामस्वरूप, स्वतंत्रता के पश्चात हमने एक राष्ट्र ध्वज, एक राष्ट्र गान और एक राष्ट्रीय प्रतीक को अपनाया तो दूसरी तरफ 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को देश का राज काज चलाने के साथ–साथ केन्द्र व राज्यों के बीच संपर्क बनाए रखने की भूमिका निभाने का दायित्व सौंपकर संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में उसे संघ की राजभाषा के रूप में प्रतिस्थापित किया गया ।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी की मिठास से सभी को मंत्रमुग्ध कर देने से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे विश्व में हिंदी में ही व्याख्यान देना यह हिंदी के विश्वभाषा बनने की ओर बढ़ते कदम के संदर्भ में 'अच्छे दिन' का ही परिचायक है। यही कारण है कि आज हिंदी का विस्तार कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक सीमित न रहकर वैश्विक शिखर को स्पर्श कर रहा है। इसलिए यदि हम हिंदी को मात्र अपनी राज भाषा के रुप में ही नहीं अपितु उसे वैश्विक भाषा के रुप में सम्मान प्रदान करें तो अतिशयोक्ति नहीं होगा। यह कहने में कोई संशय नहीं होना चाहिए कि अब यूरोपीय महाद्वीप से लेकर अमेरिका तक एवं दक्षिण पूर्व एशिया के सभी देशों में हिंदी की प्रायोगिक लोकप्रियता निरन्तर विस्तारित होती जा रही है। मौजूदा समय में हिंदी ने जिस श्रम और सौष्ठव के साथ राजभाषा, सम्पर्क भाषा और विश्वभाषा के रूप में अपनी अस्मिता का विस्तार किया है वह निश्चित ही स्तुत्य है।

आज इंटरनेट पर हिंदी का विकास तेजी से हो रहा है और गूगल से हिंदी में जानकारियां धड़ल्ले से खोजी जा रही है। पहले जहां तमाम फ़ॉन्ट के चलते हिंदी का स्वरूप एक जैसा नहीं दिखता था, वहीं वर्ष 2003 में यूनीकोड हिंदी में आने के बाद हिंदी को अपने विस्तार में काफी सुलभता हासिल हुई है। परिणाम यह हुआ कि 14 सितंबर 2011 से सोशल नेटवर्किंग वेबसाईट ट्विटर ने हिंदी में भी सीधे लिखने की सुविधा उपलब्ध करा दी है। इतना ही नहीं हिंदी के वैश्विक दायरे के संदर्भ में डॉ. सुरेश माहेश्वरी लिखते हैं कि आज विश्व में भारत ने अपनी पहचान बना ली है। भारत एक स्वतंत्र जनतांत्रिक राष्ट्र है और गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों का मुखिया होने के साथ–साथ "सार्क परिषद" का प्रणेता एवं संस्कृति की दृष्टि से भी वह विश्व का पथप्रदर्शक है। ऐसे में भारत की भाषा हिंदी से निकटता बनाने के साथ–साथ हिंदी के अध्ययन–अध्यापन को महत्व देने पर विश्व के सभी राष्ट्र सोचने पर मजबूर हो गये हैं।

भारत की आजादी के 75 वर्षों के कालखंड में भारत को एक तरफ विश्व पटल पर हर क्षेत्र में विशिष्ट

पहचान मिली है तो वहीं राजभाषा हिंदी देश को एक सूत्र में पिरोते हुए विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा बनती हुई नजर आ रही है। अब हिंदी भाषा की लोकप्रियता केवल भारत या भारत के पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं रह गई है बल्कि सुदूर कैरेबियाई राष्ट्रों तक फैल चुकी है। इतना ही नहीं इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका और खाड़ी के देशों में भी हिंदी बहुत लोकप्रिय हो गई है। डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल द्वारा किये गये शोध अध्ययन के अनुसार विश्व की कुल आबादी की 18 प्रतिशत जनता हिंदी जानती व समझती हैं जो भारत वर्ष के लिए अपने आप में गर्व की बात है। हिंदी प्रकृति, परिस्थिति, परिवेश के अनुरूप ढल जाने में सक्षम है, इसलिए वैश्वीकरण के फलस्वरूप हिंदी के समक्ष आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने में हिंदी पूर्णतया सशक्त है।

भूमंडलीकरण के दौर में निश्चित ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, सर्वाधिक जनसंख्या वाले राष्ट्र और सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार की भाषा हिंदी को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं रहा। यदि हम वास्तविकता के ऊपर गौर से विचार करें तो यह परिलक्षित होता है कि विश्व–भाषा का ताज अगर हिंदी के सिर पर रखा जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हिंदी की पगड़ी में ऐसे रत्न जड़े हुए हैं, जो दुनिया की किसी अन्य भाषा के पास नहीं हैं। डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल की शोध रिपोर्ट 2015 के अनुसार यह परिलक्षित होता है कि विश्व स्तर पर भाषागत परिदृश्य में विश्व में हिंदी जानने वालों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

यह अलग बात है कि हिंदी संयुक्त राष्ट्रसंघ की आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल नहीं है। परंतु हिंदी को विश्वभाषाई मानदण्डों के संदर्भ में विश्लेषित किया जाए तो वह विश्वभाषा के उन सभी अन्तरराष्ट्रीय पहलुओं पर खरी उतरती है, जो उसे विश्वभाषा बनाते हैं। यूं भी भाषाविज्ञान के आधारभूत सिद्धांत के अनुसार जब कोई भाषा विश्व के दो या दो से अधिक राष्ट्रों द्वारा बोली जाती है तो वह अन्तरराष्ट्रीय भाषा बन जाती है। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो हिंदी को विश्वभाषा बने सदियां बीत चुकी है, जब मुगलों

और अंग्रेजों ने पहली बार हिंदी को बोला था और जब ब्रिटिशकाल में गिरमिटियाओं के माध्यम से हिंदी भारत की सीमाएं लांघकर फिजी, ब्रिटिश गुयाना, डच गुयाना, कीनिया, मॉरीशस, ट्रिनीडाड, टोबेगा, नेटाल (दक्षिण अफ्रीका) आदि देशों में पहुंचकर स्वतः ही अन्तरराष्ट्रीय भाषा बन गई।

विश्व हिंदी सम्मेलनों में यह बात उभर कर आई है कि हिंदी ऐसे देश की भाषा है, जो विश्व शांति और विश्व बंधुत्व के प्रति अगाध प्रेम रखता है। यह विश्व के मानचित्र पर हिंदी की प्रभावी लोकप्रियता को दर्शाता है। हिंदी की विश्वभर में स्थिति का आकलन कर यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विश्व भाषाओं के बीच हिंदी का स्थान विश्व जनसंख्या के अनुपात में अग्रणी है। संचार क्रांति के इस युग में लेखन, तकनीकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में भारतीय संस्कृति और उसकी संवाहिका के रूप में हिंदी का प्रवाह भी विस्तारित होता गया। आज विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे–बड़े हिंदी शोध केन्द्रों में हिंदी अध्ययन–अध्यापन का कार्य सुचारु ढंग से चल रहा है। इस समय कुल 40 से अधिक देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी के पाठ्यक्रम के तहत भाषा के अलावा हिंदी में भारतीय संस्कृति, इतिहास, समाज विज्ञान आदि के विषय में भी पढ़ाया जा रहा है।

अब हमें हिंदी भाषा के साथ विकास के पथ पर अग्रसर होना होगा, क्योंकि हिंदी विश्वव्यापी स्वरूप ग्रहण कर रही है। हिंदी केवल भाषा ही नहीं है, अपितु हिंदी हमारे इतिहास, समाज और संस्कृति से जुड़ी धरोहर है, जो हमारी संस्कृति को विश्व पटल पर प्रसारित करने में वाहक के रूप में कार्य कर रही है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में विश्व की ऐसी सर्वजन स्वीकृत भाषा हिंदी बनेगी, जिससे विश्व का जन–मानस सौहार्द, सद्भाव और संतोष की प्राप्ति कर सकेगा।



रिश्ते की अहमियत

कमलेश कुमार पाण्डेय,
सहा0कमा0(राजभाषा)

रिश्ते इंसान के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। जन्म के साथ ही रिश्ते बन जाते हैं और ये जीवनभर चलते रहते हैं। रिश्ते ही हमें एक–दूसरे से जोड़ते हैं। भले ही किसी के साथ सांसारिक रिश्ते न हों, मानवता का रिश्ता सबके साथ होता है। रिश्तों के साथ कर्तव्य भी आते हैं, जिन्हें निभाना पड़ता है। ये कच्चे धागे की तरह होते हैं, जिन्हें संभालना कभी–कभी मुश्किल हो जाता है। रिश्तों को निभाने के लिए बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है, क्योंकि उनका संबंध हमारे कर्मों से भी होता है। यदि गहरे रिश्ते निभाते हुए किसी का दिल दुखा दिया या बुरा व्यवहार किया, तो उसका हिसाब चुकाने में कितना समय लगेगा, यह कहा नहीं जा सकता।

रिश्तों का संबंध मुख्य रूप से हमारी भावनाओं से होता है। भावनाएँ जैसी होती हैं, हम रिश्तों की अहमियत भी वैसे ही समझते हैं । स्वार्थी भावनाओं वाला व्यक्ति केवल अपने रिश्तों को ही महत्व देता है, जबकि संवेदनशील व्यक्ति सभी रिश्तों का सम्मान करता है। यदि भावनाएँ दुनिया की ओर हों, तो व्यक्ति सांसारिक रिश्तों में उलझ

जाता है। उसे हमेशा यह डर रहता है कि उसका प्रियजन कहीं उसे छोड़ न दे। उसका पूरा जीवन रिश्तों को संभालने और मजबूत बनाने में बीतता है, फिर भी लड़ाइयाँ और मनमुटाव चलते रहते हैं। इसके विपरीत, अगर भावनाएँ ईश्वर की ओर हों, तो व्यक्ति का संबंध ईश्वर से जुड़ जाता है।

रिश्तों की असली शुरुआत माँ और बच्चे के साथ होती है। माँ और बच्चे का रिश्ता सबसे भावनात्मक होता है। जन्म के साथ ही कई पवित्र रिश्ते जुड़ जाते हैं, जैसे पिता, भाई, बहन, दादा–दादी, नाना–नानी, चाचा–चाची, मामा–मामी, मित्र, पड़ोसी, सहपाठी आदि। शादी के बाद रिश्तों की संख्या बढ़ जाती है, और हर रिश्ते को निभाना मुश्किल हो जाता है। यदि कोई इन रिश्तों को निभाने में असफल होता है, तो उसे आत्मग्लानि होती है।

रिश्ते एक फल की तरह होते हैं:– कच्चे फल खट्टे होते हैं और पकने पर मीठे हो जाते हैं। मीठे फल में कीड़े जल्दी लगते हैं, इसलिए सावधानी रखनी पड़ती है। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक–दूसरे के प्रति आदर की भावना जरूरी है। इन्हें प्यार से सींचना और विश्वास का खाद डालना पड़ता है। तभी ये सबल और संवेदनशील बनते हैं। जब रिश्तों में अपेक्षाएँ, अनादर, क्रोध और हताशा पनपने लगती हैं, तो वे बोझिल लगने लगते हैं। ऐसे रिश्तों की जड़ें मजबूत होनी चाहिए, जो किसी भी परेशानी में न हिलें। लेकिन सांसारिक रिश्तों के लिए यह हमेशा संभव नहीं है। इसलिए सांसारिक रिश्तों को निभाते समय भगवान से भी एक रिश्ता बना लेना चाहिए।

रिश्तों को निभाना और समझना मुश्किल नहीं है। रिश्तों को अच्छी तरह से निभाया जा सकता है यदि हम मानवीय मन और उसके मनोविज्ञान को समझ लें। लेकिन इसे अपने जीवन में लागू करना कठिन होता है। यही कारण है कि बहुत से ज्ञानी और विद्वान भी संबंधों को निभाने में असफल होते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, और मैनेजर जैसे पढ़े–लिखे लोग भी रिश्तों के मामले में कमजोर होते हैं, जबकि कम पढ़े–लिखे, पर भावनाओं

को समझने वाले लोग इन्हें अच्छे से निभा लेते हैं। प्यार लुटाने में हिसाब रखना महँगा साबित होता है। हिसाब रखने से अपेक्षाओं का बोझ पैदा होता है, जिसे निभाना कठिन होता है। बिना हिसाब के रिश्ते, जिनमें सच्ची भावना हो, हमेशा बने रहते हैं।

पुलिस बलों के जवान अक्सर कठिन और तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं। इस दौरान, मानसिक समर्थन और प्रेरणा देने वाले रिश्ते उनके मनोबल को बनाए रखते हैं। एक मिशन के दौरान, रिश्ते की अहमियत विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य का सहयोग अनिवार्य होता है। इस प्रकार रिश्ते केवल मानसिक समर्थन तक ही सीमित नहीं होते, बल्कि सुरक्षा और देखभाल में भी महत्पूर्ण भूमिका निभाते हैं । साथी जवान एक–दूसरे की मदद करते हैं। यह भावना बल के प्रत्येक सदस्य को यह यकीन दिलाती है कि वे अकेले नहीं हैं ।

रिश्ते पतंग और डोर की तरह होते हैं। ढील देने पर पतंग ऊँचाई पर जाती है और ज्यादा खींचने पर कट जाती है। रिश्तों में भी अपने अहम् को छोड़कर, अपनी बात थोपने की बजाय, सबको अपनी मर्जी से जीने दिया जाए, तो रिश्ते अच्छे से निभा सकते हैं। रिश्ते बनाना जितना आसान है, उन्हें निभाने में उतनी ही सावधानी की आवश्यकता होती है। रिश्तों में सच्चाई, विश्वास, कर्तव्य, भरोसा और समझ होनी चाहिए, तभी उनकी सार्थकता होती है।



सरकारी कामकाज में राजभाषा का आधुनिकीकरण



मुकेश कुमार,
सहायक कमांडेंट (मंत्रा0)

देवनागरी लिपि में पहले सरकारी कामकाज करने के लिए हिन्दी टंकण का ज्ञान होना आवश्यक था चूँकि हिन्दी टंकण से ज्यादा सरल अँग्रेजी टंकण है। अतः ज़्यादातर कर्मचारी अँग्रेजी टंकण को महत्व देते थे। शनै–शनै राजभाषा के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित किए जाने लगे साथ ही कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएँ लागू की गईं। जब टंकण मशीन का स्थान कम्प्यूटर ने लिया तब फिर एक बार लगने लगा कि राजभाषा में कार्य करना दूभर होगा लेकिन कम्प्यूटर में भी भाषा के विभिन्न विकल्प समय–समय पर विकसित होते गए और कार्मिकों को राजभाषा में कार्य करने में सुविधा आती गई। आज हिन्दी में कार्य करने के लिए अनुवाद का सुविधायुक्त सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। अब न केवल हिन्दी में कार्य करना आसान है अपितु संविधान में वर्णित अन्य भाषाओं में भी कम्प्यूटर में कार्य किया जा सकता है। सरकारी काम काज ई–ऑफिस के माध्यम से करने में अब हिन्दी टाईपिंग सीखने की आवश्यकता भी खत्म हो गई, इसमें इस प्रकार का विकल्प विकसित किया गया कि आप हिन्दी के शब्दों के लिए अँग्रेज़ी वर्णमाला का उपयोग करते हुए अँग्रेज़ी वर्णमाला में टाईप करेंगें तो वह शब्द हिन्दी वर्णमाला में स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा। जहाँ पहले अधिकारी को हिन्दी में कार्य करने में दिक्कत महसूस होती थी, वे भी अब हिन्दी में कार्य करने में स्वंय को सहज

महसूस कर रहे हैं। हमारा विशाल साहित्य ई–ग्रन्थालय, ई–पुस्ताकलय में उपलब्ध है। किताब का नाम खोजें और आराम से किताब का अध्ययन करें। जैसे–जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, वैसे–वैसे कार्य करने के लिए अँग्रेज़ी की अनिवार्यता कम होती जा रही है।



किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त हैं



वीरेन्द्र कुमार
द्वितीय कमान अधिकारी

कहावत है कि पुस्तकें व्यक्ति की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। किताबों से अर्जित ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाता है। हाँलाकि बहुत से लोग किताबों को उबाऊ मानकर इनसे दूर भागते हैं जबकि महान व्यक्तियों की जीवनी पर प्रकाश डालें तो उन सब को पढ़ने की आदत थी। किताबें न सिर्फ जानकारी बढ़ाती हैं बल्कि व्यक्तित्व भी निखारती हैं, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी किताबें फायदेमंद होती हैं । अच्छी किताबें पढ़ने से चुनौतियों और समस्याओं से निपटने की प्रेरणा मिलती है। किताबों के अध्ययन से मन स्थिर रहता है तथा व्यक्ति में धैर्य उत्पन्न होता है।

किताबें ज्ञान का भण्डार होती हैं। किताबें हमें रचनाशील एवं संवेदनशील बनाती हैं और किताबें पढ़ने से हमारी सोचने–समझने की शक्ति बढ़ती है एवं बौद्विक क्षमता तेज होती है। किताबें पढ़ने से हमारा सोचने का दायरा बढ़ता है। नियमित रूप से किताबें पढ़ने से काफी हद तक तनाव कम होता है, जिससे हृदयरोग, सिरदर्द, डिप्रेशन और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। किताबें पढ़ने से याद्दाश्त में सुधार होता है और उम्र के साथ याद्दाश्त के कम होने और अल्ज़ाइमर जैसी बीमारी से छुटकारा मिलता है।

अच्छी नींद के लिए किताबें पढ़ना बहुत अच्छा माना जाता है। सोने से पहले और सुबह जागने के बाद किताब पढ़ना, जीवन को

ऊँचाई की ओर ले जाता है। कहावत है कि दोस्तों के बिना ज़िन्दगी जीना आसान नहीं हैं हम सभी को ऐसे दोस्त चाहिए जो ज़रुरत पड़ने पर हमारे साथ हों और जो बिना किसी पूर्वाग्रह के हमें



समझें। ठीक उसी प्रकार अच्छी किताबें एक दोस्त की तरह होती है जो हमारे मन–मस्तिष्क को अच्छे विचारों और ज्ञान से समृद्व करती हैं। किताबें हमें जीवन में महान काम करने और हमारी असफलताओं से उबरने की लिए प्रेरित करती हैं। किताबों को पढ़ने के लिए उनका चयन बहुत सटीकता के साथ करना चाहिए। अच्छी किताबें बुरे इन्सान को भी अच्छा इन्सान बना देती हैं। अच्छी किताबें हमारे जीवन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को और व्यापक बनाती हैं। कभी–कभी किताबें हमें जोर से हँसाती भी हैं। अच्छी किताबें हमें हमारी समस्याओं से उबारती हैं। महापुरूषों के द्वारा लिखी गई किताबों को पढ़ने से हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। किताबें समाज में सामाजिकता को बढ़ाती है तथा समाज के बारे में सोचने और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा भी प्रदान करती हैं। आज हमारा

युवा, किताबों से दूरी बनाने में लग गया है, जिसके कारण वह अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को हल नहीं कर पा रहा है। कई बार समस्याओं का समाधान न मिलने पर व्यक्ति स्वयं को जीवन से विरक्त कर लेता है।

संक्षेप मे कहें तो पुस्तकें हमें चारों ओर का ज्ञान प्रदान कर हमें जीवन से लड़ने की शक्ति प्रदान करती हैं। प्रत्येक पुस्तक एक प्रकार के व्यक्ति के समान होती है, जो हमारे जीवन को खुशहाल बनाने में योगदान देती हैं। अतः अच्छी पुस्तकें और अच्छे दोस्तों का चुनाव बड़ी बुद्विमानी से करें। पढ़ने के साथ–साथ आपको विचारों को आत्मसात करना चाहिए । पढ़ने में तीन बातों का होना बहुत जरूरी है 1. निरन्तरता, 2. एकाग्रता, 3. समर्पण। संक्षेप में कहें तो किताबें हमारे जीवन का आधार हैं। किताबें हमारे जीवन में निर्णय लेने की क्षमता का विकास करती हैं, साथ ही साथ हमारे जीवन को उच्चता के शिखर पर ले जाने में हमारी सहायता करती हैं। किताबें हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं तथा हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती हैं। किताबें हमें मानव से महामानव बनने में एवं पुरूष से महापुरूष बननें में और सामान्य से विशिष्ट बनने में हमारा मार्गदर्शन करती हैं। किताबें हमारे जीवन में मौलिकता का प्रवाह करती है और सुखमय जीवन का आधार होती हैं। इसलिए किताबें पढ़ें तथा दूसरों को भी पढ़ने के लिए सदैव प्रेरित करें। जय हिन्द!!!



मेरा गाँव अब उदास रहता है



प्रवीण कुमार
उप निरी/मंत्रा.

मेरा गाँव अब उदास रहता है,

लड़के जितने भी थे मेरे गाँव के ।
जो बैठते थे दोपहर को आम की छाँव में।
बड़ी रौनक हुआ करती थी जिनसे घर में,
वो सब के सब चले गए शहर में।
ऐसा नहीं कि रहने को मकान नहीं था।
बस यहाँ रोटी का इंतजाम नहीं था।
हास परिहास का आम तौर पर उपवास रहता है।
मेरा गाँव अब उदास रहता है।

बाबूजी ठंड में सिकुड़े और पसीने में नहाए थे।
तब जाकर तीन कमरे किसी तरह बनवाए थे।
अब तीनों कमरे खाली हैं, मैदान बेजान है।
छतें अकेली हैं, गलियाँ वीरान हैं।
माँ का शरीर भी अब घुटनों पर भारी है।
पिता को हार्ट और डाईबिटीज़ की बीमारी है।

अपने ही घर में माँ बाप का वनवास रहता है।
मेरा गाँव अब उदास रहता है।।

छत से बतियाते पंखे, दीवारे और जाले हैं।
कुछ मकानों पर तो कई वर्षों से ताले हैं।
बेटियों को ब्याह दिया, वो ससुराल चली गईं ।
होली का गुलाल, दीवाली की छुरछुरी चली गई।
मोहल्ले में जाओ जरा झांको कपाट पर।
बैठे मिलेंगे अकेले बाबू जी, किसी कुर्सी या खाट पर।
सावन के झूले उतर गए, भादो भी निराश रहता है।
मेरा गाँव अब उदास रहता है।।

कबड्डी, वॉलीबाल, अंताक्षरी, सब वक्त की तह में दब गए।
हमारे गाँव के लड़के कमाने जब बुलन्दशहर गए।
अब रामलीला कालीपूजा में वो बात नहीं रही।
गर्मियों में छतों पर, हलचल की रात नहीं रही।
दालान में बैठे बुजुर्ग भी स्वर्ग सिधार गए।
जो जीत गए थे मुश्किलों से, वो बीमारियों से हार गए।
ये अंधी दौड़ तरक्कियों की, गाँव सूना कर गई।
जाने वाले चले गए.कहाँ कोई अनायास रहता है।
मेरा गाँव अब उदास रहता है।

"बेटी"



हव/मंत्रा
राजेश कुमार सिंह

"बेटी"

बेटी वो है, जिसके आते ही
आंगन में खुशियों की बहार आ जाती है
उसकी एक मुस्कान सदियों का दुःख दूर कर जाती है
बेटी वो है, जो पिता के घर आते ही पहले दौड़ कर आती है
बेटी वो है, जो परिवार की खुशी के लिए हर दुःख सह जाती है
बेटी वो है, जो पिता की हर परेशानी को समझ जाती है
बेटी वो है, जिसके आते ही
आंगन में खुशियों की बहार आ जाती है
बेटी वो है, जो दूर जाने से बहुत रोती है
बेटी वो है, जो पति के होने पर भी अपने परिवार को न भूल पाती है
बेटी वो है, जो हर दुःख सह कर भी मुस्कुरा देती है
बेटी वो है, जिसके दूर होते हुए भी जिसकी बातों में नजदीकियां होती हैं
बेटी है तो, झोपड़ी में महलों की शान है,
बेटी न हो तो, हर महल वीरान है।
बेटी बोझ नहीं है भुजा है, हर बाप का स्वाभिमान है।

वीर वधु



सिपाही / जीडी
रवि कुमार प्रजापति

आँसुओं के मोती को पिया,
मैं पलकों के सीप में छुपाऊँगी,
तेरे इस बलिदान पर स्वामी,
मैं शोक नहीं मनाऊँगी,
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।

तेरे शौर्य की अमुक गाथा,
तेरे ही अंश को सुनाऊँगी,
हो तुझ जैसा निसार वतन पर,
ऐसा जोश उसमें जगाऊँगी,
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।

तेरे इस बलिदान को साज़न,
क्षोभ धारा में व्यर्थ ना गवाऊँगी,
तेरी वीरता की पताका बनाकर,
मैं पूरे देश में लहराऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।

छूटी माँग की लाली तो क्या,
तेरे चरणों की धूल माथे पर सजाऊँगी,
पहने श्वेत वस्त्र तो क्या,
पूर्ण जीवन तेरी अर्धांगिनी कहलाऊँगी,
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।

फ़र्ज़ के इस कर्ज को नाथ,
मैं पूर्ण जीवन निभाऊँगी,
हूँ शहीद की मैं वीर संगिनी,
ये दुनिया को दिखाऊँगी,
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।
मैं अश्रु नहीं बहाऊँगी।

हम हैं सीआरपीएफ के जवान



स0उ0नि0 / मंत्रा
रविकान्त यादव

हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान, हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान।
अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान हमारी पहचान।
हम हैं, सी.आर.पी.एफ. के जवान, हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान।

आंतरिक सुरक्षा में तैनात हम भारत माँ के लाल हैं।
उग्रवाद, माओवाद और नक्सलवाद के हम काल हैं।
दंगा नियन्त्रण हेतु हम ही आर.ए.एफ. वाले बनते ढाल हैं।
जंगल में जंगल वॉरियर्स कोबरा कमाण्डो कमाल हैं।
आदर्श वाक्य ''सेवा और निष्ठा'' है राष्ट्र का अभिमान।
हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान, हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान।

युद्ध अभियान, वी.आई.पी. सुरक्षा, चुनाव ड्यूटी हम करें।
प्राकृतिक आपदा के समय, एन.डी.आर.एफ. का भी रूप धरें।
कश्मीर में आतंकवादियों के मंसूबे चकनाचूर करें।
हम होते हैं शहीद देश पर, मगर मर कर भी ना मरें।
हम हैं शूर–वीर, दृढ़ निश्चय वाले, महावीर बलवान।
हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान, हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान।

लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में, चीनी सेना को हराया है।
फिर गुजरात के कच्छ रण में, पाकियों को मार भगाया है।
संसद अटैक के समय भी देश को संकट से बचाया है।
श्रीलंका, हैती, लाइबेरिया जैसे मिशनों में परचम लहराया है।
हम प्रहरी हैं राष्ट्रवाद के, राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र हमारी शान।
हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान, हम हैं सी.आर.पी.एफ. के जवान।

राजभाषा कार्यान्वयन में अर्जित पुरस्कार/प्रशंसा

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा विकसित अनुवाद सॉफ्टवेयर कंठस्थ 2.0 "अनुवाद सारथी" को लोकप्रिय बनाने एवं उसके ग्लोबल डेटा बेस को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों/संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों/निगमों इत्यादि के अनुवाद/राजभाषा अधिकारियों के लिए आयोजित कंठस्थ 2.0 अनुवाद प्रतियोगिता में महानिदेशालय, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली के श्री अनिल कुमार द्विवेदी, सहायक कमांडेंट (राजभाषा) एवं श्री अमीरुद्दीन, निरीक्षक (राजभाषा) ने क्रमश जांचकर्ता एवं अनुवादक के रूप में भाग लिया । राजभाषा विभाग द्वारा इनके कार्य की सराहना करते हुए मंत्रालय की श्रेणी में इन्हें माह जून 2024 की प्रतियोगिता में विजेता घोषित किया गया और प्रशंसा स्वरूप इनके फोटोग्राफ राजभाषा विभाग की साईट पर प्रदर्शित किए गए हैं जो कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए गौरव एवं सम्मान की बात है ।





अमीरुद्दीन
निरीक्षक(राजभाषा)

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के विभिन्न पदों, अनुभागों और कार्यालयों के लिए अंग्रेज़ी-हिंदी के मानक शब्द

क्र0सं0	अंग्रेज़ी शब्द	हिंदी शब्द
1.	Director General	महानिदेशक
2.	Special Director General	विशेष महानिदेशक
3.	Additional Director General	अपर महानिदेशक
4.	Inspector General	महानिरीक्षक
5.	Deputy Inspector General	उप महानिरीक्षक
6.	Commandant	कमांडेंट
7.	Second-in-Command	द्वितीय कमान अधिकारी
8.	Deputy Commandant	उप कमांडेंट
9.	Assistant Commandant	सहायक कमांडेंट
10.	Motor Transport Officer	परिवहन अधिकारी
11.	Financial Adviser	वित्तीय सलाहकार
12.	Deputy Financial Adviser	उप वित्तीय सलाहकार
13.	Public Relation Officer	जन संपर्क अधिकारी
14.	Audit Officer	लेखा परीक्षा अधिकारी
15.	Administrative Officer	प्रशासनिक अधिकारी
16.	Accounts Officer	लेखा अधिकारी
17.	Chief Medical Officer	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
18.	Senior Medical Officer	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
19.	Medical Officer	चिकित्सा अधिकारी
20.	Office Superintendent	कार्यालय अधीक्षक
21.	Central Sports Officer	केंद्रीय क्रीड़ा अधिकारी
22.	Personal Assistant	वैयक्तिक सहायक
23.	Private Secretary	निजी सचिव

24.	Principal Private Secretary	प्रधान निजी सचिव
25.	Principal	प्राचार्य
26.	Director	निदेशक
27.	Joint Director	संयुक्त निदेशक
28.	Deputy Director	उप निदेशक
29.	Assistant Director	सहायक निदेशक
30.	Senior Translation Officer	वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
31.	Junior Translation Officer	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
32.	Liaison Officer	संपर्क अधिकारी
33.	Subedar Major	सूबेदार मेजर
34.	Inspector	निरीक्षक
35.	Sub Inspector	उप निरीक्षक
36.	Assistant Sub Inspector	सहायक उप निरीक्षक
37.	Head Constable	हवलदार
38.	Constable	सिपाही
39.	Stenographer	आशुलिपिक
40.	Ministerial	अनुसचिवीय
41.	Non-ministerial	अननुसचिवीय
42.	Official Language	राजभाषा
43.	Directorate General	महानिदेशालय
44.	Zonal Head Quarter	जोन मुख्यालय
45.	Sector Head Quarter	सेक्टर मुख्यालय
46.	Range Head Quarter	रेंज मुख्यालय
47.	Group Centre	ग्रुप केंद्र
48.	Battalion	बटालियन
49.	Unit	यूनिट
50.	Company	कंपनी
51.	RAF Academy for Public Order	द्रुत कार्य बल लोक व्यवस्था अकादमी
52.	Counter Insurgency & Anti-terrorism School	प्रति विद्रोहात्मक और आतंकवाद-विरोधी स्कूल
53.	Dog Breeding & Training School	श्वान प्रजनन और प्रशिक्षण स्कूल
54.	Cobra School of Jungle warfare & Tactics	कोबरा स्कूल ऑफ जंगल वारफेयर एण्ड टेक्टिक्स
55.	Training of Trainers School	प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण स्कूल
56.	Central Weapon Store	केंद्रीय हथियार भंडार
57.	Arms Works Shop	शस्त्र कर्मशाला
58.	Recruit Training Centre	रंगरूट प्रशिक्षण केंद्र
59.	Central Training College	केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय

60.	National Disaster Response Force	राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल
61.	Rapid Action Force	द्रुत कार्य बल
62.	Special Duty Group	विशेष ड्यूटी ग्रुप
63.	Parliament Duty Group	पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप
64.	Composite Hospital	संयुक्त अस्पताल
65.	Internal Security Academy	आंतरिक सुरक्षा अकादमी
66.	Administrative Section	प्रशासनिक अनुभाग
67.	Accounts Section	लेखा अनुभाग
68.	Training Section	प्रशिक्षण अनुभाग
69.	Operational Section	परिचालन अनुभाग
70.	Communication Section	संचार अनुभाग
71.	Provisioning Section	संभरण अनुभाग
72.	Pay and Accounts Office	वेतन एवं लेखा कार्यालय
73.	Regional Pay and Accounts Office	क्षेत्रीय वेतन एवं लेखा कार्यालय
74.	Building Branch	भवन शाखा
75.	General Provident Fund Section	सामान्य भविष्य निधि अनुभाग
76.	Organization Section	संगठन अनुभाग
77.	Legal Section	विधि अनुभाग
78.	Official Language Section	राजभाषा अनुभाग
79.	Welfare Branch	कल्याण शाखा
80.	Recruitment Cell	भर्ती प्रकोष्ठ
81.	Procurement Cell	क्रय प्रकोष्ठ
82.	Internal Audit Wing	आंतरिक लेखा परीक्षा विंग
83.	Personnel Branch	कार्मिक शाखा
84.	Establishment Branch	स्थापना शाखा
85.	Intelligence Branch	आसूचना शाखा
86.	Works Branch	निर्माण शाखा
87.	Finance Branch	वित्त शाखा
88.	Medical Branch	चिकित्सा शाखा
89.	Confidential Record & Vigilance Branch	गोपनीय रिकॉर्ड एवं सतर्कता शाखा
90.	Information & Technology Branch	सूचना व प्रौद्योगिकी शाखा
91.	Central Hindi Training Institute	केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
92.	Central Translation Bureau	केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो
93.	Assam Rifles	असम राइफल्स
94.	Border Security Force	सीमा सुरक्षा बल
95.	Sashastra Seema Bal	सशस्त्र सीमा बल

96.	Central Industrial Security Force	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
97.	Indo-Tibetan Border Police Force	भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
98.	National Security Guard	राष्ट्रीय सुरक्षा गारद
99.	Special Protection Group	विशेष सुरक्षा दल
100.	Enforcement Directorate	प्रवर्तन निदेशालय
101.	National Investigation Agency	राष्ट्रीय जांच एजेंसी
102.	Central Bureau of Investigation	केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

****

सिविक एक्शन





दिनांक 13/07/2024 को बड़गाम (जम्मू कश्मीर) में 181 बटालियन द्वारा मुफ्त चिकित्सा शिविर एवं दवाइयोंका वितरण किया गया।

सिविक एक्शन





दिनांक 06/08/2024 से 09/08/2024 तक सदूरा (जम्मू कश्मीर) में 46 बटालियन द्वारा बैडमिंटन प्रतियोगता का आयोजन किया गया।

सिविक एक्शन





दिनांक 15/08/2024 को बीजापुर (छत्तीसगढ़) में 151 बटालियन द्वारा विद्यार्थियों को 'स्कूल किट' का वितरण किया गया।

कल्याण शाखा



24/07/2024

दिनांक 24/07/2024 को वार्षिक कार्यक्रम कैलेण्डर के विषय "सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीज़ ऑफ ह्यूमन" पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कावा अध्यक्षा की अध्यक्षता में महानिदेशालय में उपस्थित कार्यक्रम की मुख्य व्याख्याता श्रीमती वंदना टंडन, काउंसलर द्वारा आयोजित विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में केरिपुबल के सभी ग्रुप केन्द्रों/बटालियनों/अन्य संस्थानों में उपस्थित जवानों व उनके परिजनों एवं क्षेत्रीय कावा प्रमुखों द्वारा ऑनलाइन आयोजन में भाग लिया गया। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यू–ट्यूब एवं फेसबुक पर किया गया।



23/08/2024

दिनांक 23/08/2024 को वार्षिक कार्यक्रम कैलेण्डर के विषय "माइंडफुलनेस एंड मेडीटेशन टेक्नीक्स फॉर स्ट्रेस रिलीफ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कावा अध्यक्षा की अध्यक्षता में महानिदेशालय में उपस्थित कार्यक्रम के मुख्य व्याख्याताओं, श्रीमान संजय उप्रेती, आईआरएएस एवं श्रीमती विनिता उप्रेती, ट्रेजरर, बीडबल्यूडबल्यूए द्वारा आयोजित विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में केरिपुबल के सभी केन्द्रों/बटालियनों/अन्य संस्थानों में उपस्थित जवानों व उनके के परिजनों एवं क्षेत्रीय कावा प्रमुखों द्वारा ऑनलाइन आयोजन में भाग लिया गया। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यू–ट्यूब एवं फेसबुक पर किया गया।



भर्ती शाखा

सहायक कमांडेंट (जी0डी0) एलडीसीई– 2023 (नोडल फोर्स–केरिपुबल):–

01 सहायक कमांडेंट (जीडी) एलडीसीई भर्ती की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के पीएसटी/पीईटी का आयोजन दिनांक 22/07/2024 से 02/08/2024 तक कराया गया एवं पीएसटी/पीईटी में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की चिकित्सा जाँच का आयोजन दिनांक 27/08/2024 से 30/08/2024 तक कराया गया।

उप0नि0 (जी0डी0) – 2024 (नोडल फोर्स–बीएसएफ):–

02 उप0नि0 (जी0डी0) भर्ती की (सीबीटी) लिखित परीक्षा (पेपर–एक) का आयोजन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 27/07/2024 से 29/07/2024 तक कराया गया। लिखित परीक्षा (पेपर–एक) का परिणाम कर्मचारी चयन आयोग द्वारा घोषित किया जाना अपेक्षित है।

सि0/जी0डी0 – 2024 (नोडल फोर्स–केरिपुबल):–

03 सि0/जी0डी0–2024 की भर्ती की लिखित परीक्षा का परिणाम कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 10/07/2024 को घोषित किया गया है। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के पीएसटी/पीईटी/डीवी/डीएमई/आरएमई कराने संबंधी मामला अनुमोदन हेतु गृह मंत्रालय को प्रेषित किया गया है।

सि0 (टेक्निकल/ट्रेड्समैन/पायनियर, सि/मंत्रा.–2023) :–

04 सि0 (टेक्निकल/ट्रेड्समैन/पायनियर, सि/मंत्रा–2023 की भर्ती की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के पीएसटी/पीईटी/डीवी/डीएमई/आरएमई का आयोजन दिनांक 10/07/2024 से 24/07/2024 कराया गया। अंतिम परिणाम/मेरिट लिस्ट संबंधित फर्म से प्राप्त होना अपेक्षित है।

सि0/जीडी (स्पोर्टस कोटा):–

05 सि0/जीडी (स्पोर्टस कोटा) की भर्ती से संबंधित उम्मीदवारों के पीएसटी/पीईटी/डीवी/डीएमई/आरएमई का आयोजन दिनांक 10/07/2024 से 22/08/2024 तक ग्रुप केन्द्र, पिन्जोर में कराया गया है।

करूणामूलक आधार पर भर्ती:–

06 सक्षम प्राधिकारी (महानिदेशक, केरिपुबल) के अनुमोदन उपरांत माह अगस्त 2024 में 20 योग्य उम्मीदवारों को नियुक्तियाँ जारी की गई।

महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र जुलाई–अगस्त 2024

क्र0सं0	इरला/बल संख्या	पद	नाम	कार्यालय/यूनिट	पुरस्कार	Nature of Disc
1	6596	द्वि0 कमा0 अधिकारी	अमित सांगवान	208 कोबरा	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
2	8126	उप कमा0	अमित कुमार	139 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
3	9742	सहा0 कमा0	सिंकदर यादव	202 कोबरा	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
4	120600039	निरी/जीडी	शशी कांत	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
5	991230366	सउनि/जीडी	राम कृष्ण राय	204 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
6	175177539	सि/जीडी	अमित सिंह मोदक	208 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
7	11938	चिकित्सा अधिकारी	मुथयला किरण	208 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
8	3631	उप महानिरीक्षक	अरविंद राय	ग्रुप केन्द्र पिंजोर	गोल्डन 3 सितारा	ऑप्स
9	4476	कमांडेंट	रति कांत बहरा	02 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
10	9594	सहा0 कमा0	राकेश कुमार ठाकुर	02 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
11	12222	सहा0 कमा0	प्रजवाल एन0 पी0	02 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
12	971282514	उनि/जीडी	विनय कुमार सिंह	02 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
13	41565457	हव/जीडी	आर0 शंकर	02 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
14	921121394	सउनि/जीडी	मनोज कुमार	02 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
15	12406	सहा0 कमा0	रवि कुमार मीणा	74 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
16	110530039	सि/जीडी	मोहित सिंह	74 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
17	5689	द्वि0 कमा0 अधिकारी	अनिल कुमार	206 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
18	8381	उप कमांडेंट	रंजित मंडल	206 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
19	7050	द्वि0 कमा0 अधिकारी	कोशल सदन गिरी	206 कोबरा	गोल्डर	ऑप्स
20	8136	उप कमांडेंट	राजु कुमार	206 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
21	95144607	हव/आरओ	के0 वैंकटेशवरलु	4 सिग्नल बटालिय	कांस्य	ऑप्स
22		पुलिस अधिक्षक	प्रभात कुमार, भा0पु0से0	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
23	9540	सहा0 कमा0	लक्ष्मी कांत गरई	176 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
24	55351906	निरी/जीडी	सुजीत दास	176 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
25	941177449	सउनि/जीडी	मो0 सफी शेख	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
26	971233602	सउनि/जीडी	सुमित अध्या	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
27	65240537	सि/जीडी	दिनेश कुमार यू	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
28	105343503	सि/जीडी	मो0 असलम गोजर मीर	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
29	115343675	सि/जीडी	जरूर अहमद शेख	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
30	135045768	सि/जीडी	कह्नु बिसोई	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
31	175250313	सि/जीडी	रजिया महूल कुमार	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
32	135104176	सि/जीडी	अशीष महतो	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
33		के9	बैक्की	176 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
34	15282497	हव/जीडी	धर्मेन्द्र सिंह नरूका	230 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
35	12107	सहा0 कमा0	गोकुल कुमार एस	230 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
36	12295	सहा0 कमा0	राजेश	231 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
37	4958	कमांडेंट	सुरेन्द्र सिंह	231 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
38	12285	सहा0 कमा0	विकास कुमार	231 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स

39	120480026	निरी/जीडी	सचिन देव	231 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
40	7144	दि0 कमा0 अधिकारी	सत्या नारायण तंवर	231 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
41	31451048	हव0/जीडी	सरकार सुजित सुकुमार	उप महानिरीक्षक ऑप्स दंतेवाड़ा	कांस्य	ऑप्स
42	75061369	सि/जीडी	अनुप कुमार पटेल	उप महानिरीक्षक ऑप्स दंतेवाड़ा	गोल्डन	ऑप्स
43	135325476	सि/जीडी	दिगेश्वर	उप महानिरीक्षक ऑप्स दंतेवाड़ा	कांस्य	ऑप्स
44	145026695	सि/जीडी	आशीष कुमार	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
45	175271481	सि/जीडी	राकेश पाटिल	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
46	8068	उप कमा0	अमित कोचर	50 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
47	215212731	सि/जीडी	काटे अनिकेत जालिंदर	212 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
48	3639	उप महानिरीक्षक	सुशील कुमार मिश्रा	उप महानिरीक्षक ऑप्स बीजापुर	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
49	7163	दि0 कमा0 अधिकारी	रमेश सिंह	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
50	10193	सहा0 कमा0	सी किरन	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
51	12360	सहा0 कमा0	सिंह यशवंत जी एस	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
52	125330431	निरी/जीडी	धर्मराज यादव	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
53	41549328	हव/जीडी	मदनकर राजेंद्र नागोराव	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
54	41747574	हव/जीडी	दिनेश कुमार	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
55	41617706	हव/जीडी	बोन्थी सूरी बाबू	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
56	115172961	हव/आरओ	रोहित कुमार	3 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
57	175074357	सि/जीडी	मो0 रफीक	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
58	215054381	सि/जीडी	मल्लेबोईना रवि कुमार	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
59	215055511	सि/जीडी	विनायक कागले	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
60	175121194	सि/जीडी	देवारे राहुल बालकृष्ण	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
61	175093031	सि/जीडी	गोपाल मालाकर	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
62	215055413	सि/जीडी	विशाल पाटिल	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
63	95350329	सि/जीडी	अमित मरक	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
64	215055306	सि/जीडी	सनाबासप्पा गोनेपंवार	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
65	220740055	उनि/जीडी	अहोवी	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
66	45222981	हव/जीडी	रोते राहुल गोपाल	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
67	65029956	हव/जीडी	सुनील कुमार यादव	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
68	175095685	सि/जीडी	संजय लहरी	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
69	175094198	सि/जीडी	बनिकांता बोरडोलोई	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
70	215043013	सि/जीडी	तोफान बेहेरा	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
71	135372135	सि/जीडी	नंदन कुमार	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
72	215055324	सि/जीडी	अनिल भजंत्री	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
73	215270455	सि/जीडी	सरीपल्ली जनार्दन राव	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स

74	215052966	सि/जीडी	गनावेना नरेश	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
75	175124131	सि/जीडी	मुलिक नारायण दिनकर	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
76	145362809	हव/आरओ	सुनिल कुमार कुशवाहा	3 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
77	9641	सहा0 कमा0	रोबवीदुनामई हेनरी हीशो	210 कोबरा	गोल्डन	ऑप्स
78	211930014	उनि/जीडी	सुमित कुमार	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
79	41726059	सउनि/जीडी	नरेश प्रताप	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
80	25201177	हव/जीडी	पवन कुमार	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
81	41605939	हव/जीडी	लखयाजित सैकिया	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
82	145083011	हव/आरओ	योगेंद्र	1 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
83	135103722	सि/जीडी	रथीन मोदक	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
84	135313869	सि/जीडी	संटू घोष	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
85	145236137	सि/जीडी	रवि कुमार	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
86	175194522	सि/जीडी	अभिषेक कुमार चौधरी	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
87	185050174	सि/जीडी	साहब सिंह गुर्जर	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
88	172412625	सि/जीडी	रमेश कुमार पुनेम	241 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
89	172415857	सि/जीडी	अर्जुन मादवी	241 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
90	7557	उप कमा0	यतेंद्र सिंह	202 कोबरा	गोल्डन	ऑप्स
91	10203	सहा0 कमा0	महेश्वरन एम	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
92	12291	सहा0 कमा0	लेनकोमांग हमांगते	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
93	195360077	नि/जीडी	परमजीत	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
94	41562894	हव/जीडी	हजारी लाल जाट	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
95	175082297	सि/जीडी	अशोक कुमार	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
96	175110744	सि/जीडी	भानु प्रताप सिंह राजपूत	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
97	10020	सहा0 कमा0	रिपुदमन सिंह रघुबंशी	222 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
98	131360035	निरी/जीडी	मो0 महताब	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
99	903072306	उनि/जीडी	राम करन	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
100	41585993	हव/जीडी	कल्बोन्दे बापुराव शंकरराव	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
101	145320466	सि/जीडी	गोकुल राम	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
102	105200783	हव/आरओ	अभिनव कुमार	4 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
103	175025552	सि/जीडी	सिद्धार्थ राय	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
104	5678	दि0 कमा0 अधिकारी	हरीओम सागर	95 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
105	7608	उप कमा0	संजय कुमार सिंह	उप महानिरीक्षक ऑप्स बीजापुर	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
106	55144083	हव/जीडी	आर. सुरेश कुमार रेड्डी	उप महानिरीक्षक ऑप्स बीजापुर	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स

107		पुलिस अधीक्षक	जितेन्द्र कुमार यादव, भा0पु0से0	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
108		सहा0 पुलिस अधीक्षक	वैभव बंकेर, भा0पु0से0	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
109		उप पुलिस अधीक्षक	सुदीप सरकार	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
110		उप पुलिस अधीक्षक	विनीत साहु	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
111		निरीक्षक	जयलाल सलाम	छत्तीसगढ़ पुलिस	कांस्य	ऑप्स
112	11240	सहा0 कमा0	पी जे मनीकनदन	आरटीसी पीजीएम	कांस्य	प्रशिक्षण
113	891320373	उनि/जीडी	अनिल कुमार सिंह	आरटीसी पीजीएम	कांस्य	प्रशिक्षण
114	901270243	उनि/जीडी	महेर संजय प्रेमसिंह	आरटीसी पीजीएम	कांस्य	प्रशिक्षण
115	25130859	हव/जीडी	बासुदेव रामचैरी	आरटीसी पीजीएम	कांस्य	प्रशिक्षण
116	135044851	सि/जीडी	महेन्द्रा मेहेर	आरटीसी पीजीएम	कांस्य	प्रशिक्षण
117	9583	महानिरीक्षक	महेश चन्द्र लड्डा	महानिदेशालय	गोल्डन	ऑप्स
118	3626	उप महानिरीक्षक	धूप सिंह मान	महानिदेशालय	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
119	4983	कमांडेंट	पाल सिंह सिवाल	महानिदेशालय	गोल्डन 3 सितारा	ऑप्स
120	8098	उप कमा0	गौरव शर्मा	महानिदेशालय	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
121	8971	सहा0 कमा0	मोहित त्यागी	53 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
122	10715	सहा0 कमा0	रोशन लाल	88 महिला बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
123	11799	सहा0 कमा0	दिगविजय सिंह	महानिदेशालय	कांस्य	ऑप्स
124	11816	सहा0 कमा0	सिद्धार्थ सिंह	204 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
125	125210783	निरी/जीडी	सौरभ वर्मा	71 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
126	105343432	निरी/जीडी	राज कुमार सिंह	100 आरएएफ	कांस्य	ऑप्स
127	155030933	निरी/जीडी	प्रवीण	70 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
128	891160322	उनि/जीडी	अमुरथलींगम एन	236 बटालियन	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
129	65280022	उनि/मंत्रा	राजीव कुमार	ग्रुप केन्द्र पुणे	सिल्वर	ऑप्स
130	5261461	हव/जीडी	राजेश कुमार	28 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
131	15220892	हव/चालक	सुमेर	महानिदेशालय	गोल्डन	ऑप्स
132	41560659	हव/जीडी	रवि	85 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
133	31530687	सि/चालक	उमेद सिंह	167 बटालियन	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
134	75267002	सि/चालक	अमित कुमार	189 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
135	5041407	हव/आरओ	निरंजन जयसिंह	5 सिग्नल बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
136	2674	महानिरीक्षक	सुनील जून	महानिरीक्षक आरएएफ	सिल्वर	प्रशिक्षण

137	3587	उप महानिरीक्षक	दलिप सिंह अम्बेश	उप महानिरीक्षक सूंभलपुर	गोल्डन 2 सितारा	प्रशासन
138	3559	उप महानिरीक्षक	डॉ प्रेम चंद	महानिदेशालय	गोल्डन	प्रशिक्षण
139	4066	उप महानिरीक्षक	विवेक बंदराल	उप महानिरीक्षक ऑप्स जम्मू उत्तर	गोल्डन	प्रशिक्षण
140	5001	कमांडेंट	हरज्ञान सिंह गुर्जर	महानिदेशालय	कांस्य	प्रशिक्षण
141	3585	उप महानिरीक्षक	सुरज पाल वर्मा	उप महानिरीक्षक (ऑप्स) कोंटा	कांस्य	प्रशिक्षण
142	6287	दि0 कमा0 अधिकारी	अजय सिंह परमार	178 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
143	6562	दि0 कमा0 अधिकारी	संजीव चौधरी	08 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
144	6680	दि0 कमा0 अधिकारी	गंभीर सिंह	200 बटालियन	कांस्य	प्रशासन
145	8337	उप कमा0	शीश पाल	110 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
146	9652	सहा0 कमा0	अजय मलिक	209 कोबरा	कांस्य	प्रशिक्षण
147	12419	सहा0 कमा0	साल्वी राठी	96 बटालियन	सिल्वर	प्रशिक्षण
148	12114	सहा0 कमा0	मेघा नायर	234 बटालियन	सिल्वर	प्रशिक्षण
149	9957	सहा0 कमा0	वेलगा महेश	98 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
150	10512	सहा0 कमा0	बी. प्रभाकरन	46 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
151	11378	सहा0 कमा0	संकेत सुनील सकलकले	99 आरएएफ	कांस्य	प्रशिक्षण
152	8816	सहा0 कमा0	अनुराग	201 कोबरा	कांस्य	प्रशिक्षण
153	12817	सहा0 कमा0	चौधरी तुपेश कुमार	192 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
154	11141	सहा0 कमा0	अनिल कुमार नायक	ग्रुप केन्द्र दुर्गापुर	कांस्य	प्रशिक्षण
155	9451	सहा0 कमा0	प्रभात पाठक	10 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
156	9053	सहा0 कमा0	भरत सोनी	ग्रुप केन्द्र ईम्फाल	प्रशस्ति रोल	प्रशासन
157	9531	सहा0 कमा0	मिस कंचन यादव	144 बटालियन	सिल्वर	प्रशासन
158	15083058	निरी/जीडी	सत्येन्द्र कुमार	71 बटालियन	कांस्य	प्रशिक्षण
159	65210647	उनि/मंत्रा	विकास कुमार	महानिदेशालय	गोल्डन 1 सितारा	प्रशासन
160	861141116	निरी/बी-बैण्ड	बाबु एम0	ग्रुप केन्द्र हैदराबाद	कांस्य	प्रशिक्षण
161	841310144	उनि/पी-बैण्ड	डी बहादुर छेत्री	ग्रुप केन्द्र खटखटी	कांस्य	प्रशिक्षण
162	7884	सीएमओ(एसजी)/कमांडेंट	डॉ कपिल एल बरबींद	सीएच नागपुर	कांस्य	प्रशासन
163	12267	एसपीएल-एमओ (जीडी-II-एसएस)/दि0 कमा0 अधिकारी	डॉ अक्श बालू	सीएच दिल्ली	कांस्य	प्रशासन
164	55132387	हव/जीडी	मंटू बोरो	124 बटालियन	कांस्य	प्रशासन
165	75270688	सि/जीडी	मयदारी मधु	199 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
166	6693	दि0 कमा0 अधिकारी	सुबोध कुमार	222 बटालियन	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
167	10020	सहा0 कमा0	रिपुदमन सिंह रघुबंशी	222 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
168	35161044	निरी/जीडी	जोयप्रकाश राजबोंशी	138 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
169	41705756	सि/जीडी	बिरशरंग राजे दयमारी	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स

170	75082215	सि/कारपेंटर	सोमबीर फोगाट	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
171	105011545	हव/जीडी	उमराम डुकिया	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
172	7126	उप कमा0	हरी सिंह	202 कोबरा	गोल्डन	ऑप्स
173	91930037	निरी/जीडी	राम स्वरुप राजभर	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
174	6664	दि0 कमा0 अधिकारी	रितेश कुमार सिंह	85 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
175	8329	उप कमा0	नरेन्द्र सिंह	85 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
176	12132	सहा0 कमा0	अंशुल सुर्यवंशी	85 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
177	12118	सहा0 कमा0	अनीश सैनी	85 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
178	95350926	निरी/जीडी	संजीव कुमार	85 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
179	6545	दि0 कमा0 अधिकारी	सुबीर रॉय	80 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
180	195360068	निरी/जीडी	ललित कुमार	202 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
181	175121265	सि/जीडी	लंडे अमोल नामदेव	202 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
182	4493	कमांडेंट	जैकेब वुंगजाबिक तुशिंग	एनईएस मुख्या	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
183	7208	उप कमा0	शैलेश कुमार	19 बटालियन	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
184	8975	सहा0 कमा0	हेमंत भट्ट	85 बटालियन	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
185	12101	सहा0 कमा0	के0 भास्कर राव	247 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
186	941443716	सउनि/जीडी	निरंजन स्वाईं	85 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
187	31320398	हव/जीडी	संतोष प्रसाद पटेल	194 आरएएफ	कांस्य	ऑप्स
188	145036673	सि/जीडी	बिबिन विलियम आर0	85 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
189	125001455	निरी/जीडी	गजानंद शर्मा	85 बटालियन	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
190	4737	कमांडेंट	राजीव कुमार	106 आरएएफ	सिल्वर	ऑप्स
191	6662	दि0 कमा0 अधिकारी	राजीव कुमार	153 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
192	8338	उप कमा0	योगेश सिंह यादव	153 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
193	65009028	निरी/जीडी	लाल चंद गोठवाल	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
194	130540048	निरी/जीडी	चैनाराम जाखड़	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
195	215172998	सि/जीडी	अमरजीत कुमार	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
196	9657	सहा0 कमा0	बुलु दास	210 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
197	151750023	निरी/जीडी	आशीष कटारिया	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
198	135052185	हव/आरओ	शिबिन कृष्णन के0	1 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
199	5443	कमांडेंट	चंदम बोबी सिंह	229 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
200	6583	दि0 कमा0 अधिकारी	आर्चे एंथोनी माहे	229 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
201	5674	दि0 कमा0 अधिकारी	मुखत्यार सिंह	229 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
202	7874	उप कमा0	कुलदीप सिंह	229 बटालियन	गोल्डन	ऑप्स
203	9397	सहा0 कमा0	राकेश कुमार	229 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
204	215423091	सि/जीडी	मानष कुमार नायक	229 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
205	8071	उप कमा0	विनोज पी0 जोसेफ	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
206	85201875	निरी/जीडी	दिपक कुमार भारती	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
207	9558	सहा0 कमा0	अंबुज कुमार श्रीवास्तव	205 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
208	125340151	सि/जीडी	वसीम अकरम	205 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
209	6553	दि0 कमा0 अधिकारी	अरुण कुमार सिंह	243 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स

210	7936	उप कमा0	उपेन्द्र निरंजन	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
211	9105	सहा0 कमा0	अरबिंद कुमार रजाक	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
212	12396	सहा0 कमा0	वैध संकेत देवीदास	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
213	75264911	निरी/जीडी	रमन चौधरी	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
214	6556	दि0 कमा0 अधिकारी	राजेंद्र कुमार	210 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
215	10928	सहा0 कमा0	महुआनलंग पामेई	210 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
216	880920516	निरी/आरओ	हेमंता कुमार रॉय	3 सिग्नल बटालियन	कांस्य	ऑप्स
217	3639	उप महानिरीक्षक	सुशील कुमार मिश्रा	उत्तरी सेक्टर मुख्यालय	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
218	5678	दि0 कमा0 अधिकारी	हरीओम सागर	101 आरएएफ	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
219	7608	उप कमा0	संजय कुमार सिंह	93 बटालियन	गोल्डन 3 सितारा	ऑप्स
220	135027859	सि/जीडी	अवनीश कुमार	222 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
221	115202707	सि/जीडी	जितेंद्र कुमार	170 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
222	145263758	सि/जीडी	दिपांकर	170 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
223	215251023	सि/जीडी	जाधव संदेश गोविंद	229 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
224	135010536	सि/जीडी	संपत लाल	229 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
225	65003135	सि/चालक	अखिलेश यादव	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
226	145318303	सि/जीडी	प्रवेश कुमार पासवान	153 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
227	41725543	हव/जीडी	यादवेंद्र यादव	229 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
228	933241246	सउनि/जीडी	जयपाल सिंह परिहार	229 बटालियन	कांस्य	ऑप्स
229	115112735	सि/जीडी	मोहित सिंह	168 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
230		पुलिस अधीक्षक	जितेंद्र कुमार यादव, भा0पु0से0	छत्तीसगढ़ पुलिस	सिल्वर	ऑप्स
231		सहायक पुलिस अधीक्षक	वैभव बंकेर, भा0पु0से0	छत्तीसगढ़ पुलिस	सिल्वर	ऑप्स
232	5203	कमांडेंट	दिपक भाटी	209 कोबरा	प्रशस्ति रोल	ऑप्स
233	9787	सहा0 कमा0	अभिमन्यु सिंह यादव	209 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
234	9652	सहा0 कमा0	अजय मलिक	209 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
235	12194	सहा0 कमा0	हनुमान सहाय मिणा	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
236	125210542	निरी/जीडी	धिरेंद्र सिंह	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
237	31170717	निरी/जीडी	ज्ञानचंद्र वर्मा	209 कोबरा	सिल्वर	ऑप्स
238	135115801	निरी/जीडी	गोरव कुमार मिश्रा	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
239	140290027	निरी/जीडी	बिक्रम कुमार यादव	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
240	225120134	उनि/जीडी	अर्जुन शशीकुमार	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
241	41593237	हव/जीडी	सुमन पाल	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
242	41598534	हव/जीडी	राजेश कुमार	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
243	41635856	हव/जीडी	जगताप बाबासाहेब भरत	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
244	41657628	हव/जीडी	गजराज सिंह	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
245	41712823	हव/जीडी	हिरेंद्र मंता	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
246	125300603	सि/जीडी	लव कुश	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
247	135082324	सि/जीडी	पंकज किशोर	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स

248	135173035	सि/जीडी	जगन्ननाथ नायक	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
249	145035774	सि/जीडी	हेमनाथ पी0	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
250	175252094	सि/जीडी	सोलंकी राजेंद्र कुमार	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
251	175143821	सि/जीडी	राउथू विरुबाबू	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
252	175380314	सि/जीडी	अनुप रावत	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
253	175213891	सि/जीडी	मुदासे सुनिल बालाजी	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
254	175124951	सि/जीडी	रुईकर सचीन गोरख	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
255	175242695	सि/जीडी	अनामरेड्डी चक्रधर	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
256	175255575	सि/जीडी	रकीन लाल के0	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
257	175302117	सि/जीडी	नरेंद्र सिंह	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
258	175252129	सि/जीडी	चौहान पियुष कुमार	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
259	175313859	सि/जीडी	प्रोजेश भट्टाचार्जी	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
260	175270742	सि/जीडी	क्रिशनाथ एल0 बोकारे	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
261	175132124	सि/जीडी	प्राणेश्वर कोच	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
262	175152036	सि/जीडी	पुर्बा ज्योति ददहारे	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
263	175151003	सि/जीडी	राहुल राभा	209 कोबरा	कांस्य	ऑप्स
264	12848	महानिरीक्षक	राकेश अग्रवाल, भा0पु0से0	महानिदेशालय	कांस्य	ऑप्स
265	3526	उप महानिरीक्षक	सतीश कुमार लिंडा	झारखंड सेक्टर मुख्यालय	गोल्डन 2 सितारा	ऑप्स
266	8363	उप कमा0	सुधीर कुमार	झारखंड सेक्टर मुख्यालय	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
267	8435	उप कमा0	अमित रंजन झा	उप महा0(परि0) चायबासा	गोल्डन 1 सितारा	ऑप्स
268	10631	सहा0 कमा0	धंजीव कुमार	3 सिग्नल बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
269	5163	कमांडेंट	रवि शंकर मिश्रा	झारखंड सेक्टर मुख्यालय	कांस्य	ऑप्स
270	117260027	निरी/जीडी	ओम प्रकाश वर्मा	154 बटालियन	सिल्वर	ऑप्स
271	15192186	हव/जीडी	अमित कुमार सिंह	रेंज मुख्यालय राँची	कांस्य	ऑप्स
272	115198276	सि/जीडी	हिमांशु कुमार	रेंज मुख्यालय राँची	कांस्य	ऑप्स

उपलब्धियाँ

जम्मू और कश्मीर

जुलाई 2024

- मारे गए आतंकवादी — 07
- ओजीडब्ल्यू/संदिग्ध/अपराधी गिरफ्तार — 02
- बरामदगीः—

1.	हथियार	—	08 नग
2.	गोला बारूद	—	363 नग
3.	ग्रेनेड	—	04 नग
4.	नगदी	—	473500/—
5.	मादक पदार्थ	—	0.256 ग्राम

अगस्त 2024

- मारे गए आतंकवादी — 02
- गिरफ्तारी
- आतंकी/ओजीडब्ल्यू (आंतकी समूह से संबद्ध) — 15
- ओजीडब्ल्यू /संदिग्ध/अपराधी — 05
- बरामदगी

1.	हथियार	—	09 नग
2.	गोला बारूद	—	177 नग
3.	ग्रेनेड	—	10 नग
4.	आई0ई0डी0	—	08 नग
5.	जिलेटिन स्टिक	—	12 नग
6.	मादक पदार्थ	—	2.96 कि0ग्रा0

वामपंथी उग्रवाद

जुलाई 2024

▯	मारे गए माओवादी	–	13
▯	गिरफ्तारीः–		
	माओवादी	–	38
	समर्थक/संदिग्ध/अपराधी	–	09
▯	माओवादी आत्मसमर्पण	–	65
▯	बरामदगीः–		
1.	हथियार	–	15 नग
2.	गोला बारूद	–	181 नग
3.	विस्फोटक	–	20 कि0ग्रा0
4.	ग्रेनेड	–	09 नग
5.	बम्ब	–	01 नग
6.	आई0ई0डी0	–	30 नग
7.	डेटोनेटर	–	43 नग
8.	नकदी	–	37630/–

अगस्त 2024

▯	माओवादी गिरफ्तारी	–	25
▯	माओवादी आत्मसमर्पण	–	65
▯	बरामदगीः–		
1.	हथियार	–	05 नग
2.	ग्रेनेड	–	02 नग
3.	विस्फोटक	–	2 कि0ग्रा0
4.	आई0ई0डी0	–	41 नग
5.	डेटोनेटर	–	23 नग
6.	जिलेटिन स्टिक	–	16 नग

पूर्वोत्तर राज्य

जुलाई 2024

- गिरफ्तारीः–

उग्रवादी	–	06
समर्थक/संदिग्ध/अपराधी/ड्रग तस्कर	–	49

- बरामदगीः–

1.	हथियार	–	39 नग
2.	गोला बारूद	–	1938 नग
3.	ग्रेनेड	–	03 नग
4.	बम्ब	–	07 नग
5.	डेटोनेटर	–	04 नग
6.	जिलेटिन स्टिक	–	05 नग
7.	नकदी	–	98890/–
8.	मादक पदार्थ	–	500.97 कि0ग्रा0

अगस्त 2024

- गिरफ्तारीः–

उग्रवादी	–	06
समर्थक/संदिग्ध/अपराधी/ड्रग तस्कर	–	24

- बरामदगीः–

1.	हथियार	–	21 नग
2.	गोला बारूद	–	301 नग
3.	ग्रेनेड	–	18 नग
4.	बम्ब	–	03 नग
5.	डेटोनेटर	–	11 नग
6.	नकदी	–	2649900/–
7.	मादक पदार्थ	–	6.81 कि0ग्रा0

आज़ादी का महोत्सव मनाते कोरिपुबल के जवान



सत्यमेव जयते
भारत सरकार

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

राष्ट्र के शांति प्रहरी

वीरों को सलाम

78वें
स्वतंत्रता दिवस–2024
के अवसर पर के.रि.पु.बल को
57
वीरता पदक

शौर्य चक्र


शहीद सिपाही
पवन कुमार


शहीद सिपाही
देवन सी


लखवीर
उप कमांडेंट


राजेश पंचाल
सहायक कमांडेंट


सिपाही
मलकीत सिंह

वीरता के लिए पदक


शहीद उप निरीक्षक
रौशन कुमार


महाले मनीष गोरख
द्वितीय कमान अधिकारी


मुकेश कुमार सेवरिया
उप कमांडेंट


अनिल कुमार
सहायक कमांडेंट

CBC19111/13/0047/2425


निरीक्षक
बिजय कुमार ठाकुर


हवलदार
पवन कुमार


हवलदार / आरओ
अन्तेश कुमार


सिपाही
मनोज कुमार


सिपाही
विप्लव कुमार


सिपाही
आदेश कुमार


सिपाही
सोमवीर


सिपाही
विशाल कुमार यादव


हवलदार / आरओ
सुरेन्द्र कुमार यादव


तेजा राम चौधरी
सहायक कमांडेंट
(1st Bar to GM)


सिपाही/बिगु0
चन्दन कुमार


सहायक उप निरीक्षक
दिल राम यादव


सिपाही
अजित दास


उमेश यादव
उप कमांडेंट


सिपाही
सब्जार अहमद भट


सिपाही/चालक
राज कुमार


हवलदार
नरेश कुमार


हवलदार
पंचाल पंकजभाई
दशरथभाई


सिपाही
हिमांशु हालदार


तेजा राम चौधरी
सहायक कमांडेंट
(2nd Bar to GM)


सिपाही
गणेश चन्द जाट


सिपाही
जीत तांती


सुरजीत कुमार
कमांडेंट


आशुतोष वरदेय
सहा0 कमां0 (अब उप कमांडेंट)


सिपाही
राम प्रकाश


सिपाही
पवित्र बसुमतारी


सिपाही
बसवराज इरनट्टी


विक्की कुमार पाण्डेय
उप कमांडेंट


जितेन्द्र सिंह
सहायक कमांडेंट


सिपाही
मनोज कुमार महार


हवलदार
रंजीत कुमार

हवलदार
अजय यादव

सिपाही
चव्हाण पृथ्वीराज अशोक

सिपाही
गुलाब चंद्र पाण्डेय

उप निरीक्षक (अब निरीक्षक)
दारशुंग रूवंदार अनल

हवलदार
महेन्दर सिंह

सिपाही
अतुल पी कामडे

सिपाही
अवधेश सिंह डांगी

सिपाही
आलोक कुमार पारूई

सिपाही
जयवीर

सिपाही
मुकेश कुमार मिश्रा

पुनीत कुमार कौलधर
कमांडेंट

विवेक शर्मा
सहायक कमांडेंट

हवलदार
सुंजय कुमार

सिपाही
रागवीर सिंह

सिपाही
हरकीरत सिंह

सिपाही
विक्की शर्मा

सिपाही
सिया राम